DR. H. L. SINGH
PROF & HEAD,
P.G. Deptt. of Geography,
PPU, Patna.

For :- M.A. Semester - I
Subject - Geography
Paper - I

TOPIC :- KASHMIR HIMALAYA REGION

काश्मीर हिमालय भू आकृति प्रदेश हिमालय पर्वत का एक उपविभाग है जो उत्तरी पश्चिमी भाग में स्थित है, इसलिए इसे उत्तरी पश्चिमी हिमालय के नाम से भी जाना जाता है। सिडनी बुराड ने नदी घाटियों के आधार पर हिमालय को चार भौतिक प्रदेशों में विभाजित करते हुए इस ~~[illegible]~~ प्राकृतिक उपविभाग का नाम काश्मीर या पंजाब हिमालय रखा है। बुराड महोदय के अनुसार इसकी लम्बाई 560 किलोमीटर है जो सिन्धु नदी से सतलज नदी तक फैला हुआ है। यह पंजाब काश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में फैला हुआ है। शुरू होने पर हिमरेखा यहां अधिक ऊंचाई पर मिलती है। प्रमुख श्रेणियां जास्कर, लद्दाख, काराकोरम, पीरपंजाल, धौलाधार है। इस प्रदेश की चट्टानों का निर्माण 60 करोड़ वर्ष पूर्व हुआ है।

काश्मीर प्रदेश का विस्तार भारत के उत्तर में $32^\circ 17'$ से $37^\circ 5'$ उत्तरी अक्षांसों एवं $72^\circ 40'$ से $80^\circ 30'$ पूर्वी देशान्तरों के मध्य जम्मू एवं काश्मीर राज्य पर है।

भू वैज्ञानिक एवं भौतिक रचना:

इस प्रदेश की भूगर्भिक एवं भौतिक रचना अत्यंत जटिल है। यहां हिमालय पर्वतीकरण से सम्बन्धित समस्त अवसादी करण, भूगर्भिक एवं ज्वालामुखी घटनाओं के प्रमाण मिलते हैं। यहां आरकियन शैलों से लेकर नूतन कॉप के निक्षेप पाये जाते हैं। इस प्रदेश में चार मुख्य श्रेणियां (काराकोरम, लद्दाख, मुख्यहिमालय या जास्कर श्रेणी तथा पीरपंजाल) स्थित है जिनके मध्य गिलगित, शियोक, सिन्धु व झेलम नदियों की अनुदैर्ध्य घाटियां स्थित हैं।

प्रदेश के दक्षिण - पश्चिम में झेलम तथा रावी नदियों के मध्य संकरी पर्वत पदीय मैदान पट्टी स्थित है। इसके उत्तर में शिवालिक श्रेणी, जम्मू पहाड़ियों के नाम से अनेकों सामानान्तर कटकों के रूप में है जिनके मध्य ऊधमपुर व कोटली दून सहित अनेक चौड़ी घाटियां स्थित हैं।

इस इस क्षेत्र के ग्रीवाखंड में पूर्व कैम्ब्रियन युग की चट्टानों का निक्षेपण हुआ था। इस प्रकार इस क्षेत्र के ग्रीवाखंड में प्री-कैम्ब्रियन अवसाद जिसे सलखाला श्रेणी कहा जाता है तथा डोगरा स्लेट प्रमुख रूप से पाये जाते हैं।

प्री-कैम्ब्रियन अवसाद तथा स्लेट के ऊपर अभिनति वाली बेसिन पायी जाती है, जिनमें पैलियोजोइक कल्प से लेकर ट्रियासिक युग के सागरीय निक्षेप मिलते हैं तथा इन जमावों में जीवावशेष भी पाये जाते हैं। डॉ. वाडिया के शब्दों में महान हिमालय की श्रेणी का निर्माण काश्मीर ग्रीवाखंड की जड़ से मुख्य टेथिस भूसन्नति से हुआ है। इस श्रेणी में मुख्य रूप से आर्कियन तथा पूर्व-कैम्ब्रियन समय की प्राचीन परतदार चट्टानें मिलती हैं, साथ ही साथ इन चट्टानों में ग्रेनाइट चट्टानों का प्रवेश हुआ है।

इस तरह हम पाते हैं काश्मीर हिमालय की संरचना बहुत ही जटिल है, यहां कायांतर क्रियाएं की धाराएं हुई हैं जिनसे पीर पंजाल रेंज का निर्माण हुआ है।

PLESTOCENE
UPPER TERTIARY
EOCENE & CRETACEOUS
CARBONIFEROUS TRIAS
OLDER PALEAZOIC
ARCHEAN AND PURANA

TECTONIC BELT OF KASHMIR HIMALAYA.

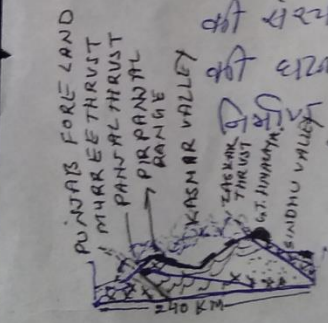

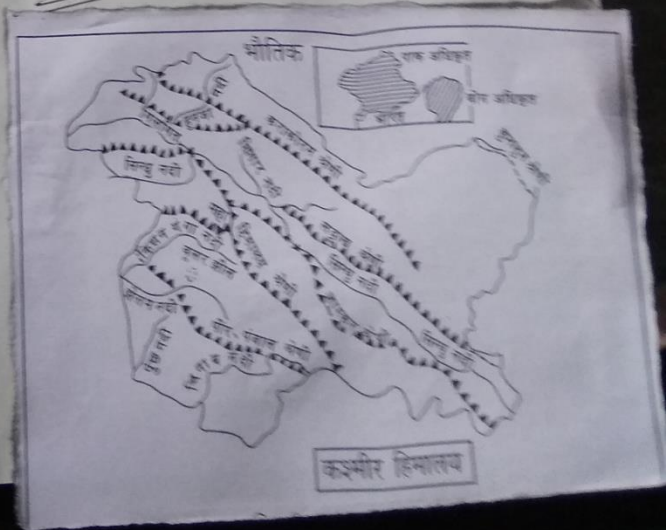

(AFTER D.N. WADIA)